सेमीनार

''जन भा ा के रूप में हिंदी''

स्थानिय यवतमाल जिला विकास समिति द्वारा श्रीमती नानकीबाई वाधवानी कला महाविद्यालय में दिनांक २९ मार्च, २०२२ मंगलवार को हिंदी–विभाग की ओर से प्रा. डॉ. सुरेखा मंत्री ने ''जन भा ा के रूप में हिंदी'' सेमीनार का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में काफी विद्यार्थीयों ने सहभाग लिया।

प्रस्तावना मंत्री मूम ने की। प्रकृति ने मनु य को जन्म देकर उस पर बडा उपकार किया। साथ ही वाणी भी दीं जिससे भा ा बनी। भवों ओर विचारों का आदान–प्रदान आरंभ हुआ। संकेतो और ध्वनियों की गुफा से निकलकर आदमी बाहर आया। ध्वनि को लिपि संकेत बनाया, साहित्य बना, शास्त्र बना, सभ्यता और संस्कृति के सोपान मनु य चढता गया। उसके संवादों में भा ा की अर्थवत्ता ने नए–नए क्षितिज खोले। वह भा ा को मॉ के दूश के साि पीने लगा, सुनने लगा, सीखने लगा, हॅसने लगा, रोने लगाउसके सोच एवं खोज का भा ा माध्यम बन गई। वही उसकी मातृभा ा बन गई।

ईशिका बघेल ने कहा मनु य ने समाज बनाया। तभा से समाज व्यवस्था बनी। अलग–अलग क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों के बीच बोली जानेवाली एक ही भा ा के विभिन्न रूपों के बीच एक मानक स्परूप निश्चित हुआ है।

ऋतुजा ने कहा– भा ा यह उस समाज और भूभाग की मानक भा ा है। सरकारी कामकाज एवं भू–भाग विशे ा में बसनेवाले लोगों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी, वह रा टभा ा हुई।

वै णवी ने कहा– भारतव ' का राजभा ा हिंदी है। राजभा ा, रा टभा ा होने से पहले वह जनभा ा होती है। हिंदी भारत की जनभा ा है। भा ा किसी भी रा ट की अभिव्यक्ति होती है।

रानी कंठाले ने कहा– हिंदी को जनभा ा के रूप देखते तो पता चलता कि विश्व की समृध्द भा ा के समस्त गुण है। अधिकोश जन की दैनदिन की भा ा है, आज जिसका स्त्रोंत राजस्थानी, हरियाणवी, ब्रज, अवधी आदि भा ाएँ है।

सभी ने बढचढ कर हिस्सा लिया था। सभी ने अपना सहकार्य दिया।

Sureka

Principal
Smt. Nankibai Wadhwani
Kala Mahavidyalaya
Yavatmal 445001